A.P.S.M. College Barauni (Begusarai)
Deptt - Political science
Dr. Archana Kumari
Class - B.A-I (H)
Paper - I
Date - 24/04/2021

Topic → Political theory

(2) आधुनिक राजनीति सिद्धांत की प्रकृति ⇒

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में विश्लेषण की महत्ता और आनुभाविक पद्धतियों पर विशेष बल दिया गया है आनुभाविकता व वस्तुनिष्ठता तो आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत की मुख्य विशेषता है इसमें नैतिकता पर अधिक बल नहीं दिया गया है इसमें मूल्य विहीन विश्लेषण की पद्धति को अपनाया जाता है। इसके विचारक मूल्यों और आदर्शों को पूर्णत: अस्वीकार करते हैं

(3) समन्वित दृष्टिकोण ⇒

परंपरागत राजनीतिक सिद्धांत की प्रकृति और आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत की प्रकृति में काफी अंतर देखने को मिलता है दोनों में से किसी एक के अध्ययन पद्धति को उचित नहीं माना जा सकता है परंपरागत राजनीतिक सिद्धांत के द्वारा कानून, नैतिक एवं मूल्य प्रधान पद्धति पर ज्यादा जोर और और वैज्ञानिक पद्धतियों को अमहत्वहीन मानना उचित नहीं है साथ ही साथ आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में जिस तरह प्राकृतिक विज्ञान वाली वैज्ञानिकता पर जोर दिया गया है

Scanned with CamScanner

वह भी पूर्णतः उचित नहीं है राजनीतिक में नैतिकता और वैज्ञानिकता होनों ही आवश्यक है मूल्य तथा तथ्य होनों ही आवश्यक है अतः राजनीति के बेहतर अध्ययन के लिए हमें परंपरागत तथा आधुनिक सिद्धांतों के विशेषताओं को आधार बनाकर एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाना होगा।

राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य एवं उपयोगिता ⇒

मानव जीवन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति राजनीतिक सिद्धांत के द्वारा होता है तथा जीवन या मानवजीवन का लक्ष्य 'खुशहाल जीवन' होता है जिसे प्राप्त करने के लिए विभिन्न विचारधाराओं का प्रतिपादन किया जाता है उद्देश्य एवं उपयोगिता।

1) राजनीतिक सिद्धांत की उपयोगिता राजनीतिक समस्याओं के समाधान से जुड़ी हुई है। एक राजनीतिक चिंतक परिस्थितियों का गहन अध्ययन करता है और उस परीक्षण के आधार पर अपना कुछ समाधान प्रस्तुत करता है।

Scanned with CamScanner

(2) राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य केवल वर्तमान परिस्थितियों का समालोचना करना ही नहीं बल्कि समस्याओं के समाधान के लिए विकल्प प्रस्तुत करना है ताकि एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण हो सके।

(3) बदलती हुई परिस्थितियों के मुताबिक राजनीतिक सिद्धांत नवीन मानवीय मूल्यों में सहायक होता है।

(4) राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों का औचित्य प्रमाणित करना है।

(5) राजनीतिक आंदोलनों के पीछे सदैव एक विचारधारा का हाथ रहा है। अब जितने भी राष्ट्र आंदोलन हुए तथा समाज में क्रांतियाँ लाई गई उन सबके पीछे महत्वपूर्ण राजनीति सिद्धांत की भूमिका रही है।

(6) राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक आंदोलनों में सहायक होते है।

(7) राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक चेतना की वृद्धि का महत्वपूर्ण साधन है।

स्पष्ट है कि यह मानवीय जीवन को आधार शिला है, मानवीय जीवन को गतिशीलता प्रदान करता है तथा एक खुशहाली विश्व के निर्माण में सहायक है

Scanned with CamScanner

राजनीतिक सिद्धांत की प्रमुख अवधारणाएं

(1) शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांत
(Classical Political theory)

(2) उदारवादी राजनीतिक सिद्धांत
(Liberal Political theory

(3) मार्क्सवादी राजनीतिक सिद्धांत
(Marxist Political theory)

(4) अनुभववादी राजनीति सिद्धांत
(Empirical Political theory)

(5) समकालीन राजनीतिक सिद्धांत
(Contemporary Political theory)

वर्तमान समय में राजनीति सिद्धांत का दर्शन से संबंध-विच्छेद हो रहा है। राजनीति एवं दर्शन के बीच की सीमा रेखा फिर से खींची जा रही है। दर्शन में अभिरुचि की कमी तथा दर्शन के बीच सीमा के पुनः निर्धारण का अर्थ राजनीतिक सिद्धांत में होता नहीं है।

Scanned with CamScanner